मंगलवार

05 मई 2026

- देहरादून
- वर्ष 34
- अंक 101
- पृष्ठ 8
- मूल्य ₹ 1.00

34 साल से देहरादून का विश्वास

दूनवैलीमेल

सांध्य दैनिक

आर.एन.आई. : 59626/94

email: doonvalley_news@yahoo.com

Website: dunvalleymail.com

डीएवीपी से मान्यता प्राप्त

स्वच्छता के नाम पर 'बड़ा खेल'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। केदारनाथ यात्रा मार्ग के मुख्य पड़ाव सोनप्रयाग में स्वच्छता व्यवस्था और कूड़ा प्रबंधन को लेकर बड़ी लापरवाही सामने आई है। युवा नेता मोहित डिमरी ने जिलाधिकारी विशाल

❑कन्वेयर बेल्ट के लिए रु. 19.44 लाख का बजट
❑कन्वेयर बेल्ट के नाम पर लोहे के खाली ढांचे
❑सुलभ और कार्यदायी संस्था सवालों के घेरे में
❑शिकायती पत्र में भ्रष्टाचार, अव्यवस्था का खुलासा
❑यात्रा में भारी मात्रा में प्लास्टिक कूड़ा फेंका जा रहा

मिश्रा को सौंपे शिकायती पत्र में भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का खुलासा किया है।

मोहित डिमरी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि केदारनाथ यात्रा में प्रतिदिन भारी मात्रा में प्लास्टिक कूड़ा फेंका जा रहा है। यात्रा मार्ग पर प्लास्टिक कूड़े को एकत्रित करने और उसके उचित प्रबंधन की जिम्मेदारी सुलभ इंटरनेशनल को दी गई थी। इसी उद्देश्य से सोनप्रयाग-त्रियुगीनारायण मार्ग पर प्लास्टिक कचरा प्रबंधन हेतु कन्वेयर बेल्ट की स्थापना के लिए रू. 19.44 लाख का बजट स्वीकृत हुआ था।

हैरानी की बात यह है कि निर्माण इकाई द्वारा कार्य पूर्ण होने के बोर्ड तो लगा दिए गए हैं, लेकिन मौके पर कन्वेयर बेल्ट के नाम पर सिर्फ लोहे के खाली ढांचे खड़े हैं। मोहित डिमरी ने कहा कि जब कूड़ा प्रबंधन की मशीनरी ही क्रियाशील नहीं है, तो सुलभ द्वारा एकत्रित किए जा रहे कचरे का निस्तारण कैसे होगा? यह सीधे तौर पर सरकारी धन का दुरुपयोग और तीर्थयात्रियों की आस्था के साथ खिलवाड़ है।

जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग ने मामले की गंभीरता को देखते हुए अपर जिलाधिकारी को जांच समिति गठित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने आदेश दिया है कि समिति मौके पर जाकर कार्यों का निरीक्षण करे और एक सप्ताह के भीतर अपनी विस्तृत रिपोर्ट सौंपे। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि भ्रष्टाचार या कार्य में लापरवाही की पुष्टि होती है, तो दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

हाथी दांत के साथ दो वन्य जीव तस्कर गिरफ्तार

हमारे संवाददाता

देहरादून। वन्य जीव तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही करते हुए एसटीएफ ने दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। जिनके पास से एक हाथी दांत बरामद हुआ है। जिसका वजन 7 किलो 820 ग्राम है तथा जिसकी कीमत 1.5 करोड़ बतायी जा रही है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि एसटीएफ की टीम ने शातिर 2 वन्य जीव तस्करों को बराकोली रेंज, कल्याणपुर, सितारगंज क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया है। बताया कि एसटीएफ की कुमाऊ यूनिट द्वारा बीती देर रात्रि जनपद उधामसिंह नगर के सितारगंज क्षेत्र से 2 वन्यजीव तस्कर को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 1 हाथी दांत (जिनकी लम्बाई 3 फिट, 3 इंच लगभग, गोलाई 13 इंच, वजन 7 किलो 820 ग्राम लगभग) बरामद कर लिया है। बताया कि एसटीएफ को सूचना मिली थी कि सितारगंज क्षेत्र में वन्य जीव जन्तुओं के अंगो तथा हाथी दांत की अवैध तस्करी हो रही है, जिसे एसटीएफ द्वारा अपने स्थानीय सूत्रों से डेवलप किया गया जिस पर कल रात्रि मे बराकोली वन रेंज, कल्याणपुर, सितारगंज मे कुमाऊ एसटीएफ और वन विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से चेकिंग पर 2 व्यक्तियो को गिरफ्तार किया गया है और उनके कब्जे से 1 हाथी दांत बरामद हुआ। हाथी दांत एवं हाथी के अंगों को वन्यजीव जन्तु संरक्षण अधिनियम की पहली अनुसूची में रखा गया है इसका शिकार करना एक गम्भीर अपराध है, पकड़े गये तस्कर के विरुद्ध बराकोली रेंज में वन्यजीव अधि नियम के तहत मुकदमा दर्ज कराया गया है। बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में अपना नाम मरतुन्जय हलदार पुत्र सुकुमार हलदार निवासी गुरुग्राम, शक्तिफार्म थाना सितारगंज उम्र 32 वर्ष व माणिक मंडल पुत्र स्वर्गीय निर्मल मंडल निवासी गुरुग्राम, शक्तिफार्म थाना सितारगंज उम्र 35 वर्ष बताया। एसएसपी एसटीएफ अजय सिंह ने बताया कि इस मामले में गहनता से छानबीन की जा रही है और यदि इस मामले में अन्य किसी व्यक्ति की संलिप्तता मिलती है तो उसके विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।

दून वैली मेल

संपादकीय

क्या कहते हैं चुनाव नतीजे?

देश के पांच राज्यों के चुनावी नतीजे के आने के बाद अब हर जगह इन चुनावी नतीजो की समीक्षा का दौर जारी है। भाजपा ने पश्चिम बंगाल में 15 सालों से सत्ता पर काबिज ममता बनर्जी और उनकी टीएमसी की सरकार को उखाड़ फेंकने में सफलता हासिल कर ली है वहीं असम और पांडुचेरी में अपनी सरकार बचाए रखकर मोदी है तो मुमकिन है कि नारे को तमाम बाधाओ और विसंगतियों के बावजूद भी सत्य साबित कर दिया है। पश्चिम बंगाल में भी भगवा लहरा कर भाजपा ने यह सिद्ध कर दिया है कि अब किसी भी क्षेत्रीय दल या राष्ट्रीय दल में इतना दम-खम नहीं है जो उसके विजय रथ को रोक सके। दक्षिण भारत के कुछ राज्यों को छोड़कर देश के 23 राज्यों में अपनी सत्ता स्थापित कर चुकी भाजपा ने पश्चिम बंगाल की जीत के साथ एक नया इतिहास रच दिया है। ऐसी स्थिति में उसका जश्न मनाना अति स्वाभाविक है। इन पांच राज्यों के चुनावी नतीजो में जहां पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत एक बड़ी राजनीतिक घटना है तो वहीं दूसरी चौंकाने वाली घटना है तमिलनाडु में अभिनेता विजय थलापति की नई नवेली पार्टी टीबीके का 107 सीटे जीतकर सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभर कर सामने आना। भले ही टीबीके बहुमत से 11 सीटें पीछे रह गई हो लेकिन स्टालिन को पटखनी देने वाले विजय की इस विजय ने यह सत्य पुनर्स्थापित कर दिया है कि दक्षिण की राजनीति में फिल्म स्टारों के युग का अभी अंत नहीं हुआ है इन पांच राज्यों के चुनावी नतीजों में यह बात कहीं भी कोई मायने नहीं रखती है कि किस पार्टी को कहां कितनी सीटें मिली और किसने किस प्रत्याशी को कितने मत्तांतर से हराकर जीत दर्ज की है महत्वपूर्ण बात यह है कि देश के राष्ट्रीय दल और क्षेत्रीय दलों में अब कौन ऐसा दल या पार्टी बची है जो भाजपा का मुकाबला कर सकती है राज्य दर राज्य क्षेत्रीय दलों की वर्चस्व को धराशाही करती हुई भाजपा के सामने क्या कोई क्षेत्रीय छत्रप टिका रह सकेगा? बात चाहे बिहार की हो या महाराष्ट्र की अर्थात उत्तर प्रदेश की हो या पश्चिम बंगाल की। जो पश्चिम बंगाल भाजपा के लिए सबसे बड़ी चुनौती बना हुआ था उसे फतह करने के बाद अब उत्तर प्रदेश में सपा के सामने भी यह सवाल एक यक्ष प्रश्न बनकर खड़ा हो गया है वही उत्तराखंड में कांग्रेस के लिए भाजपा को जीत की हैट्रिक से रोक पाने की चुनौती और भी गंभीर हो गई है। अगर भाजपा की अब तक की विजय यात्रा पर गौर करें तो इस पार्टी की आर्थिक स्थिति की मजबूती ही उसकी जीत का अहम कारण रही है जिसके दम पर भाजपा ने केंद्रीय सत्ता में आने के बाद मीडिया से लेकर तमाम सरकारी तंत्र और एजेंसियों को अपने अनुरूप बना लिया है तथा देश की आधी आबादी के वोट बैंक को अपने पक्ष में साधने में सफलता हासिल कर ली है भले ही नारी बंधन अधिनियम को लंबे समय तक लटकाए रखा गया हो और पीएम मोदी देश के लोगों को मुफ्त की रेवड़िया बांटने वालों से सावधान रहने की नसीहत दे रहे हो लेकिन चुनावों में महिलाओं के खातों में डायरेक्ट मोटी रकम ट्रांसफर करने का काम भी बखूबी किया जा रहा है अब यही आधी आबादी और उसका वोट भाजपा और मोदी के लिए जीत की गारंटी बन चुका है। भले ही अब भाजपा की सरकार कुछ भी करती रहे और विपक्षी दल कितना भी जोर लगा ले वह भाजपा को नहीं हरा पाएंगे क्योंकि उनके पास मुफ्त की रेवड़ियां बांटने के लिए धन नहीं है।

राजनीतिक 'ट्रेंड' बना 'भगवा रंग'

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। गुवाहाटी के कामाख्या मंदिर की पहाड़ियों पर सूर्य की पहली किरण से लेकर गुजरात के कच्छ के रण में डूबते सूरज की लालिमा तक देश की धमनियों में आज भगवा रंग एक नए उत्साह के साथ बह रहा है। कभी केवल वैराग्य और संन्यास का प्रतीक माना जाने वाला भगवा रंग आज आधुनिक भारत की पहचान और आत्मविश्वास का पर्याय बन चुका है। भगवा रंग को देश की राजनीति से जोड़कर भाजपा ने इसे आज अपना हथियार बनाकर देश के 70 प्रतिशत हिस्से पर अपनी पकड़ को मजबूत किया है।

प्राचीन काल में भगवा रंग धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक पहचान का प्रतीक माना जाने वाला अब राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आ चुका है और जनमानस की सोच में भी गहराई तक उतर चुका है। देश में पूरब से लेकर पश्चिम तक, उत्तर से दक्षिण तक भगवा लहर केवल एक राजनीतिक ट्रेंड नहीं, बल्कि भारत की बदलती सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का संकेत भी है।

पश्चिम बंगाल, असम और ओडिशा जैसे राज्यों में पहले जहां क्षेत्रीय दलों का वर्चस्व था, वहीं अब भगवा विचारधारा ने मजबूत चुनौती पेश की है। खासकर

❑पूरब से पश्चिम तक दिख रही बदलते भारत की नई सियासी तस्वीर
❑धर्म, राष्ट्रवाद और विकास के संगम ने बदल दी राजनीति की दिशा
❑भारत की बदलती सामाजिक और सांस्कृतिक चेतना का भी है संकेत

पश्चिम बंगाल में हाल के वर्षों में राजनीतिक संघर्ष का केंद्र यही विचारधारा बन गई है। यहां जय श्रीराम जैसे नारों ने चुनावी माहौल को पूरी तरह बदल दिया। इसी प्रकार गुजरात और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में भगवा पहले से ही सियासत का अहम हिस्सा रहा है। यहां यह केवल राजनीतिक रणनीति नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पहचान और गौरव का प्रतीक बन चुका है।

उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और मध्य प्रदेश में भगवा राजनीति अपने चरम पर है। यहां धार्मिक स्थलों के विकास, मंदिर निर्माण और सांस्कृतिक आयोजनों ने इस विचारधारा को और मजबूत किया है। दक्षिण भारत जहां परंपरागत रूप से क्षेत्रीय दलों और अलग राजनीतिक विचारधाराओं का प्रभाव रहा है, वहां भी भगवा धीरे-धीरे अपनी जगह बना रहा है। तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में अब यह केवल सीमित प्रभाव तक नहीं रहा, बल्कि राजनीतिक चर्चा का अहम हिस्सा बन चुका है।

विशेषज्ञ मानते हैं कि इसके पीछे कई कारण हैंकराष्ट्रवाद की भावना, धार्मिक पहचान का पुनर्जागरण,मजबूत नेतृत्व और सोशल मीडिया के जरिए विचारधारा का तेज प्रसार के साथ ही विकास के साथ सांस्कृतिक जुड़ाव का संदेश भी लोगों को आकर्षित कर रहा है। राजनैतिक दलों की बात करें तो वर्तमान में देश की राजनीति में भी भगवा रंग का प्रभुत्व देखने को मिल रहा है। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो देश के लगभग 70 प्रतिशत हिस्से पर भगवा रंग चढ़ाने में भाजपा का हाथ है। देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के रणनीतिकारों की राजनैतिक चाल सफल होती दिख रही है। शायद यही कारण है कि भगवा का रंग देश पर चढ़ रहा है।

कस्टमर केयर प्रतिनिधि बन कर उड़ाई 1 लाख रुपये की धनराशि

हमारे संवाददाता

पौड़ी। फर्जी टोल-फ्री नम्बर बना कर साथ ही खुद को कस्टमर केयर प्रतिनिधि बता कर लाखों की ठगी करने वाले एक शातिर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसे न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार बीती 8 मार्च को लक्ष्मण सिंह, निवासी- कोटद्वार द्वारा कोतवाली कोटद्वार में तहरीर देकर बताया गया था कि उन्होंने गूगल पर पोस्ट ऑफिस का टोल-फ्री नम्बर सर्च किया, जिसके उपरांत एक अज्ञात व्यक्ति ने स्वयं को कस्टमर केयर प्रतिनिधि बताते हुए संपर्क किया। उक्त फर्जी कस्टमर केयर प्रतिनिधि द्वारा उनको विश्वास में लेकर यूपीआई के माध्यम से 1 लाख रुपये की ऑनलाइन धोखाधड़ी की गई है। मामले में पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी। आरोपी की तलाश मे लगी पुलिस टीम द्वारा तकनीकी साक्ष्यों एवं सर्विलांस के माध्यम से गहन विवेचना की गई। लगातार प्रयासों एवं प्रभावी टीमवर्क के फलस्वरूप जांच के दौरान उक्त प्रकरण में आरोपी सिराज अंसारी निवासी जामताड़ा, झारखंड की संलिप्तता प्रकाश में आई। आरोपी के संबंध में विस्तृत जानकारी एकत्रित करने पर ज्ञात हुआ कि वह पूर्व से ही एक अन्य साइबर ठगी के मामले में मण्डल कारा, जामताड़ा (झारखंड) जेल में निरुद्ध था। इस पर पुलिस टीम द्वारा तत्काल विधिक कार्रवाई करते हुए आरोपी के विरुद्ध न्यायालय से बी-वारंट जारी कर उक्त अभियोग में संलिप्त आरोपी सिराज अंसारी को अभिरक्षा में लिया गया, जिसे अग्रिम विधिक कार्यवाही हेतु न्यायालय के समक्ष पेश कर जिला कारागार पौड़ी भेज दिया गया है।

जिलाधिकारी ने किया ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण

हमारे संवाददाता

बागेश्वर। जिलाधिकारी आकांक्षा कोंडे ने आज ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनें डबल लॉक में सुरक्षित पाई गईं।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन यंत्रों एवं सीसीटीवी कैमरों की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने सहायक निर्वाचन अधिकारी को वेयरहाउस में इनवर्टर स्थापित कराने के निर्देश दिए, जिससे 24-7 विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।

जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि वेयरहाउस की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। इस अवसर पर भाजपा प्रतिनिधि मदन राम आगरी, कांग्रेस प्रतिनिधि कुंदन गिरी, अपर जिलाधिकारी एन.एस. नबियाल, सहायक निर्वाचन अधिकारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

लघु व्यापारी संगठन ने शोषण व उत्पीड़न के विरोध में 11मई से आंदोलन की घोषणा की

संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापारी संगठन ने अतिक्रमण के नाम पर लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीडन के विरोध में 11 मई से आंदोलन की घोषणा की है।

आज यहां हरिद्वार में आए दिन प्रशासन द्वारा अतिक्रमण के नाम पर रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारियों के शोषण व उत्पीड़न के विरोध में कुंभ मेला शताब्दी द्वारा के प्रांगण में नगर निगम क्षेत्र के रेड़ी पटरी के स्ट्रीट वेंडर्स लघु व्यापारी संगठनों के प्रतिनिधियों ने लघु व्यापार एसो. के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया बैठक का संचालन जिला अध्यक्ष राजकुमार ने किया। बैठक में तय किया गया आगामी 11मई से प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर आत्मनिर्भर योजना उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली नगर निगम प्रशासन द्वारा निर्गत किए

गए लाइसेंस विक्रिया प्रमाण पत्र लाभार्थी स्ट्रीट वेंडर लघु व्यापारियों को व्यवस्थित व स्थापित किए जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध आंदोलन का निर्णय लिया। इस अवसर पर लघु व्यापार एसो के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा ने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार पूर्व में वर्ष 2018 के सर्व सूची के पंजीकृत और लाइसेंस धारक रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में वेंडिंग जोन के रूप में स्थापित किए जाने की मांग को लेकर आगामी 11मई से सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारी संगठन अपनी न्याय संगत मांगों को लेकर आंदोलन करेंगे। उन्होंने कहा उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली 2016 के अनुरूप नगर निगम प्रशासन द्वारा फेरी समिति का गठन किया हुआ है। नगरी फेरी नीति नियमावली के नियम अनुसार प्रथम रूप से नगर निगम में पंजीकृत सभी रेड़ी पटरी के लघु व्यापारियों को मेला क्षेत्र शहरी क्षेत्र अन्य पार्किंगो के नजदीक रेड़ी पटरी के माध्यम से अपने परिवार की जीविका संचालित किए जाने की मांग अरसे से की जा रही है।

माणा गांव में उमड़ रही श्रद्धालुओं की भीड़

चमोली(आरएनएस)। भगवान बदरीविशाल के दर्शनों के साथ ही देश के प्रथम गांव माणा में भी श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। बदरीनाथ धाम पहुंचने वाले तीर्थयात्री धार्मिक आस्था के साथ-साथ माणा गांव के प्राकृतिक सौंदर्य और पौराणिक स्थलों का भी आनंद ले रहे हैं। सुबह से लेकर शाम तक गांव की गलियों, भीम पुल और सतोपंथ मार्ग पर श्रद्धालुओं का रैला लगा हुआ है। सबसे अधिक आकर्षण भीम पुल पर देखने को मिल रहा है। सरस्वती नदी के ऊपर प्राकृतिक रूप से रखी विशाल शिला को देखने और वहां फोटो खिंचवाने के लिए श्रद्धालुओं में खासा उत्साह है। युवा, बुजुर्ग और परिवारों के साथ पहुंचे श्रद्धालु यहां यादगार तस्वीरें लेने में जुटे नजर आ रहे हैं। वहीं सतोपंथ मार्ग भी पर्यटकों और श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण बना हुआ है।

इस मार्ग पर स्थापित पांच पांडवों की मूर्तियां लोगों को महाभारत काल की याद दिला रही हैं। श्रद्धालु इन मूर्तियों के साथ फोटो खिंचवाने के साथ उनके बारे में जानकारी भी जुटा रहे हैं। इसके अलावा व्यास गुफा और गणेश गुफा में भी श्रद्धालु बड़ी संख्या में पहुंच रहे हैं। मान्यता है कि महर्षि वेदव्यास ने इसी स्थान पर महाभारत की रचना की थी, जबकि भगवान गणेश ने उसे लिपिबद्ध किया था। इन धार्मिक कथाओं को सुनकर श्रद्धालु भावविभोर हो रहे हैं। माणा गांव के पूर्व ग्राम प्रधान पीतांबर मोल्फा का कहना है कि यात्रा सीजन शुरू होते ही माणा गांव में चहल-पहल बढ़ गई है। ऊनी वस्त्र, स्थानीय उत्पाद और पारंपरिक व्यंजनों की दुकानों पर भी श्रद्धालुओं की भीड़ दिखाई दे रही है। प्रशासन और पुलिस की ओर से भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विशेष इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

रोडवेज बस सेवा बहाल करने की मांग

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। सीमांत क्षेत्र अनुश्रवण परिषद के उपाध्यक्ष चंडी प्रसाद भट्ट ने परिवहन विभाग से देहरादून से ऊखीमठ मार्ग पर रोडवेज बस सेवा पुन संचालित करने की मांग की है। उन्होंने प्रबंध निदेशक परिवहन विभाग को भेजे पत्र में कहा कि केदारनाथ यात्रा शुरू होने के बाद अधिकांश रोडवेज बसों को गौरीकुंड मार्ग पर लगाया गया है। इससे देहरादून ऊखीमठ मार्ग की नियमित बस सेवा भी बंद हो गई है। उन्होंने कहा कि बस सेवा बंद होने से स्थानीय निवासियों, विद्यार्थियों, मरीजों और अन्य यात्रियों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। यात्रा सीजन में पूरी व्यवस्था केदारनाथ मार्ग पर केंद्रित होने से ऊखीमठ क्षेत्र के लोगों की समस्याएं बढ़ गई हैं। उन्होंने ने जनहित में जल्द से जल्द एक नियमित रोडवेज बस सेवा ऊखीमठ मार्ग पर शुरू करने की मांग की है।

दशोली गढ़ कौथिग में काफल स्टॉल रहेगा मुख्य आकर्षण का केंद्र

चमोली(आरएनएस)। पर्यावरण दिवस के मौके पर कंडारा क्षेत्र में 4 से 6 जून तक आयोजित होने वाले दशोलीगढ़ दिवा कौथिग के भव्य आयोजन को लेकर कंडारा गांव में बैठक आयोजित हुई। निर्णय लिया गया कि स्थानीय महिलाएं काफल के साथ ही स्थानीय उत्पादों के स्टॉल लगाएंगी। इसके अलावा कौथिग में लोकगीत व लोकनृत्य की प्रस्तुतियां भी आकर्षण का केंद्र रहेंगी। कौथिग समिति के अध्यक्ष सतेंद्र बिष्ट और पूर्व जिला पंचायत सदस्य लक्ष्मण सिंह बिष्ट की अध्यक्षता में आयोजित हुई बैठक में निर्णय लिया गया कि कौथिग को भव्य रुप से आयोजित किया जाएगा। जिला पंचायत सदस्य सरोजनी देवी ने कहा कि कौथिग में स्थानीय उत्पादों के स्टॉल लगाए जाएंगे। काफल का स्टॉल आकर्षण का केंद्र रहेगा। इस दौरान क्षेत्र की महिला मंगल दल की महिलाओं व युमंद के युवाओं की ओर से सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जाएंगे। उद्योगपति सुधीर रावत ने कहा कि क्षेत्र के विकास के लिए ऐसे आयोजन अहम होते हैं। मुंबई कौथिग की तर्ज पर दशोलीगढ़ कौथिग का आयोजन भी किया जाएगा। इस मौके पर पूर्व प्रधान दिनेश रावत, रवि बिष्ट, रोशन बिष्ट, जयसिंह कठैत, भरत, दर्शन, महिला मंगल दल से जुड़ी महिलाएं व युवा मौजूद रहे।

पांच हजार कर्मचारियों को तीन माह से मानदेय नहीं मिला

पौड़ी(आरएनएस)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के करीब पांच हजार कर्मचारियों को पिछले तीन माह से मानदेय नहीं मिला है जिससे उनके सामने आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। फरवरी माह से भुगतान न होने के कारण कर्मचारियों पर खर्च का दबाव बढ़ गया है। खासकर मार्च और अप्रैल में बच्चों के एडमिशन जैसे अतिरिक्त खर्चों ने स्थिति और गंभीर कर दी है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन संविदा कर्मचारी संघ के प्रदेश अध्यक्ष शरद रौतेला ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भी कर्मचारियों को समय पर मानदेय नहीं मिलने की समस्या लगातार बनी हुई है। उन्होंने कहा कि इस संबंध में मिशन निदेशक से अलग फंड की व्यवस्था कर नियमित और समयबद्ध भुगतान प्रणाली लागू करने का अनुरोध किया गया लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकल पाया है। कर्मचारियों का कहना है कि एक ओर उनसे भी काम कराने का दबाव बनाया जा रहा है, वहीं दूसरी ओर मानदेय के भुगतान को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। इससे कर्मचारियों का आर्थिक और मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही मानदेय का भुगतान नहीं किया गया और समय पर मानदेय देने की व्यवस्था नहीं बनाई गई, तो कर्मचारी आंदोलन के लिए बाध्य होंगे, जिसकी पूरी जिम्मेदारी मिशन प्रबंधन की होगी।

पहाड़ की 'खोली' के गणेश

कार्यालय संवाददाता

देहरादून। हिमालय की वादियों में जब सर्द हवाएं चलती हैं और धुंध की चादर पुराने गांवों को ढक लेती है, तब भी ऊंचे पहाड़ों पर बने पठाल की छत वाले घरों की चौखटें एक अलग ही चमक बिखेरती हैं। इन घरों के मुख्य द्वार, जिसे पहाड़ी में खोली कहा जाता है, पर विराजे गणेश जी केवल एक मूर्ति नहीं, बल्कि उस घर के सबसे बुजुर्ग सदस्य की तरह पहरेदार होते हैं।

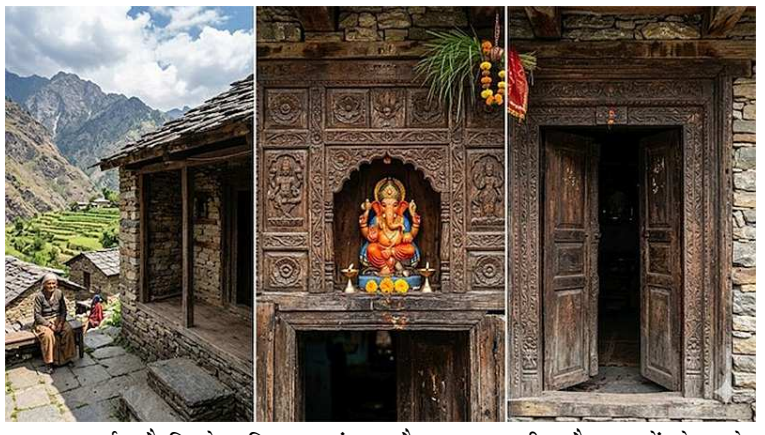

पहाड़ के गांवों में जाने पर गढ़रत्न नरेंद्र सिंह नेगी का यह मांगल गीत याद आता है-दैणा होया खोली का गणेशा हे. ..दैणा होया मोरी का नारेणा हे... पहाड़ के उन पुराने घरों को देखकर जिनकी खोलियों में आज भी गणेश जी विराजमान है। आपको बता दें कि पुराने समय में जब पहाड़ में घर बनते थे, तो सबसे पहले स्थानीय शिल्पकार को बुलाया जाता था। वह केवल मिस्त्री नहीं, बल्कि एक कलाकार होता था। टुन या देवदार की सख्त लकड़ी पर जब उसकी छैनी चलती थी, तो वह सबसे पहले चौखट के ठीक बीचों-बीच सिरदल पर एक छोटा सा सिंहासन बनाता था।

उस छोटे से खांचे में भगवान गणेश की आकृति उकेरी जाती थी। हाथ में मोदक, बड़ी सूंड और सौम्य आंखेंकृ गणेश जी का यह स्वरूप विघ्नहर्ता के रूप में घर की दहलीज पर बैठ जाता था। माना जाता था कि जिस घर की खोली में गणेश होंगे, वहाँ दुख और दरिद्रता कभी प्रवेश नहीं कर पाएगी।

●पत्थरों की विरासत और लकड़ी पर उकेरे होते थे भगवान
●यह है आस्था, प्रकृति और लोकजीवन का अद्भुत संगम
●आज पहाड़ में कई घरों में लटके हैं ताले और दीवारें ढह रही
●खंडहरों में खोली के गणेश आज भी अपनी जगह पर अडिग

यह दर्शाता है कि देवभूमि उत्तराखंड के पहाड़ों में धार्मिक आस्था केवल मंदिरों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोकजीवन की हर परत में रची-बसी है। गढ़वाल और कुमाऊं के ग्रामीण इलाकों में आज प्रकृति, परिवार और संस्कृति के गहरे संबंध खोली के गणेश के रूप में दिखते हैं। पहले पहाड़ के हर घरों के मुख्य द्वार पर गणेश की आकृति होती थी, लेकिन बदलते परिवेश में यह अब यह कम दिखती है।

पहाड़ी की संस्कृति और स्थापत्य कला में खोली का गणेश मात्र एक मूर्ति नहीं, बल्कि घर की मर्यादा, सुरक्षा और सौभाग्य का प्रतीक है। पहाड़ों के पुराने घरों की नक्काशीदार लकड़ी की चौखट 'खोली' के ऊपर विराजमान गणेश जी की यह परंपरा आज भी पहाड़ की पहचान है। पहाड़ी भाषा में खोली का अर्थकृमुख्य द्वार या देहरी होता है। हिंदू धर्म में गणेश जी को विघ्नहर्ता और प्रथम पूज्य माना गया है। शायद यही कारण रहा होगा कि हमारे बुर्जूगों ने इसे सर्वोच्च स्थान दिया होगा।

आज जब हम पहाड़ के वीरान होते गांवों की ओर देखते हैं, तो दिल बैठ जाता है। कई घरों में ताले लटके हैं, दीवारें ढह रही हैं, लेकिन उन खंडहरों की चौखटों पर आज भी वह खोली का गणेश अपनी जगह पर अडिग है। पलायन ने इंसान को तो घर से दूर कर दिया, लेकिन गणेश जी आज भी उसी सूनी देहरी की रक्षा कर रहे हैं। कई लोग अब इन पुरानी चौखटों को उखाड़कर शहरों में ले जा रहे हैं, ताकि आधुनिक कंक्रीट के घरों में अपने पूर्वजों की उस आस्था को फिर से जीवित कर सकें।

मुनिकीरेती में 12 वॉलिंटियर्स तैनात

ऋषिकेश(आरएनएस)। चारधाम यात्राकाल में मुनकिीरेती क्षेत्र में ट्रैफिक को सुचारू रखने के लिए ट्रैफिक वॉलिंटियर्स की तैनाती भी कर दी गई है। एसएसपी श्वेता चौबे ने वॉलिंटियर्स से मुलाकात कर उन्हें आवश्यक टिप्स दिए। ड्यूटी के लिए टी-शर्ट, टोपी और आईकार्ड का वितरण भी किया। बताया कि यात्रा संपन्न होने पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले वॉलिंटियर्स को सम्मानित भी किया जाएगा। वॉलिंटियर्स की तैनाती मुनिकीरेती थाना क्षेत्र के तपोवन, बह्मानंद मोड, भद्रकाली और जानकी झूला चौक व अन्य स्थानों पर की गई है।

यात्रा मार्ग पर बदहाल पड़े शौचालय, तीर्थयात्री हो रहे परेशान

उत्तरकाशी(आरएनएस)। चारधाम यात्रा के दौरान गंगोत्री और यमुनोत्री मार्ग पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ रही है। वहीं, दूसरी ओर यात्रा मार्ग पर बुनियादी सुविधाओं की बदहाली ये यात्री परेशान हैं। नगर क्षेत्र सहित यात्रा मार्गों पर शौचालयों सहित यूरिनल की खराब स्थिति के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नगर क्षेत्र के गढ़वाल मंडल विकास निगम के समीप ज्ञानसू और यात्रा रूट के मनेरी सहित अन्य स्थानों पर बने शौचालय बदहाल पड़े हैं। कई शौचालयों में पानी ही नहीं है जबकि कुछ स्थानों पर दरवाजे टूटे होने के कारण यात्रियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। यूकेडी के वरिष्ठ नेता विष्णुपाल रावत ने भी प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि हर वर्ष लाखों श्रद्धालु धामों की यात्रा पर आते हैं। इसके बावजूद सुविधाओं के रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है। यात्रा सीजन के दौरान व्यवस्थाएं दुरुस्त रहनी चाहिए थीं लेकिन स्थिति इसके विपरीत है। उन्होंने प्रशासन से मांग की है कि तत्काल प्रभाव से शौचालयों की मरम्मत कराई जाए और नियमित सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए।

संस्कृत का संरक्षण एवं संवर्धन आवश्यक: उनियाल

ऋषिकेश(आरएनएस)। श्रीदर्शन महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में नवप्रवेशी 60 बटुकों का उपनयन संस्कार किया गया और उन्हें यज्ञोपवीत की महत्ता की जानकारी दी गई।

उपनयन संस्कार में आचार्यों ने सर्वप्रथम गणेशादि पंचाग पूजन कर लगभग 60 ब्रह्मचारियों को दशविध हिमाद्रि स्नान करवाया गया। यज्ञादि कार्यक्रम को संपन्न करने के पश्चात बालकों को विधिवत यज्ञोपवीत धारण करवा कर गुरुदीक्षा एवं गायत्री मंत्र प्रदान दिया गया। कार्यक्रम में पहुंचे मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि संस्कृत शिक्षा भारत की गौरवमयी शिक्षा परम्परा है, इसका संरक्षण एवं संवर्धन बेहद आवश्यक है। दर्शन महाविद्यालय इस कार्य को सुदृढ़ता पूर्वक विगत 106 वर्षों से कर रहा है।

संस्कृत विश्वविद्यालय हरिद्वार के कुलपति प्रो. रमाकान्त पांडेय ने संस्कृत और संस्कृति के महत्व बताते हुए कि यज्ञोपवीत कोई धागा नहीं और उपनयन कोई प्रथा मात्र नहीं है, बल्कि यह हमारी पावन परम्परा और संस्कृति का एक सुदृढ़ संस्कार है।

वर्तमान में यह संस्कार विवाह के समय पर एक औपचारिकता मात्र के रूप में निर्वहन किया जाता है। जबकि इस संस्कार का एक निर्धारित समय और विधि है। मौके पर महन्त सुनील भगत, महन्त जगदीश प्रपन्नाचार्य, महन्त मनोज द्विवेदी, महन्त रवि प्रपन्नाचार्य शास्त्री, विद्यालय अध्यक्ष वंशीधर पोखरियाल, उपाध्यक्ष डॉ. माधव मैठानी, प्रबंधक संजय शास्त्री, कोषाध्यक्ष राजीवलोचन शर्मा, प्रधानाचार्य डॉ. राधामोहन दास, सत्येश्वर प्रसाद डिमरी, डॉ. हर्षानन्द उनियाल, डॉ. आशीष जुयाल, मुकेश बहुगुणा, डॉ. कमल डिमरी, डॉ. सुशील नौटियाल, अनूप रावत, सीमा मैठानी, रामप्रसाद सेमवाल, संदीप कुकरेती, गोपी चंद्र सिल्सवाल, पूर्णानन्द सिल्सवाल, प्यारेलाल तिवाड़ी, हरीश सिल्सवाल, मंजू, कौशल्या देवी आदि उपस्थित रहे।

चेहरा धोकर तौलिए से पोंछते हैं आप? जानिए ऐसा क्यों नहीं करना चाहिए?

स्किन को हेल्दी, सॉफ्ट और ग्लोइंग बनाए रखने के लिए हम क्या-क्या नहीं करते। एक से एक महंगे-महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट यूज़ करते हैं। तरह-तरह के लेप और फेस पैक लगाते हैं। कई घरेलू उपाय करते हैं। लेकिन फिर भी कई बार त्वचा से जुड़ी समस्याएं परेशान करने लगती हैं। फिर लोग सोच में पड़ जाते हैं कि इतनी देखभाल करने के बावजूद आखिर कैसे स्किन प्रॉब्लम्स हो सकती हैं। दरअसल सिर्फ अच्छे प्रोडक्ट का इस्तेमाल करने और फैस पैक लगाने से त्वचा को स्वस्थ नहीं रखा जा सकता। आपको उन गलतियों को भी सुधारना होगा, जो त्वचा को खराब कर रही हैं।

हम त्वचा की देखभाल करते वक्त कुछ ऐसी गलतियां अक्सर कर जाते हैं, जिनकी वजह से हमें स्किन प्रॉब्लम्स होने लग जाती हैं, जैसे- तौलिए का चेहरे पर इस्तेमाल करना। बहुत से लोग मुंह धोने के बाद तौलिए से अपना मुंह पोंछते हैं। कई लोग ऐसे भी हैं, जिनका तौलिया काफी गंदा रहता है, फिर भी वो इसका इस्तेमाल बेफिक्र होकर करते चले जाते हैं। आपको यह जानकर हैरानी होगी कि तौलिया भी आपको कई स्किन प्रॉब्लम्स दे सकता है।

स्किन में प्रवेश कर सकता है बैक्टीरिया

मिरर की रिपोर्ट के मुताबिक, स्किन एंड सैंक्चुअरी की एस्थेटिक थेरेपिस्ट फातमा गुंडुज ने बताया कि तौलिए से चेहरे को पोंछने से स्किन पर बुरा असर पड़ सकता है। ऐसा इसलिए क्योंकि तौलिए में ई.कोली (एस्चेरिचिया कोलाई) जैसे खतरनाक बैक्टीरिया पाए जाते हैं। जब आप तौलिए से अपना चेहरा पोंछते हैं तो इसके माध्यम से ई.कोली बैक्टीरिया आपकी स्किन में प्रवेश कर सकता है।

खुरदरे तौलिए का ना करें इस्तेमाल

सिर्फ ये बैक्टीरिया ही नहीं, तौलिए की खुरदरी बनावट भी त्वचा को नुकसान पहुंचाने का काम करता है। क्योंकि चेहरा पोंछते वक्त आप तौलिए से त्वचा को रगड़ते हैं। इसकी वजह से त्वचा पर छोटी-छोटी दरारें पड़ सकती हैं और कोई दीर्घकालिक क्षति हो सकती हैं। तौलिए का इस्तेमाल आपको इसलिए भी नहीं करना चाहिए, क्योंकि ये आपकी स्किन पर मौजूद नेचुरल ऑयल को रिमूव कर सकता है, जिससे त्वचा रूखी और बेजान हो सकती हैं। चेहरे को पोंछने के लिए हमेशा सॉफ्ट टॉवल या कपड़े का इस्तेमाल करें और रगड़ने के बजाय थप-थप करके सुखाएं।

सुबह उठकर सबसे पहले चेक करते हैं अपना फोन?

आज के दौर में फोन जैसे शरीर का एक जरूरी हिस्सा बन गया है। हर कोई हर जगह इसे अपने साथ लेकर जाने लगा है। यहां तक कि लोग वॉशरूम भी जाते हैं तो भी बिना फोन के नहीं जाते। खाते वक्त, सोते वक्त, नहाते वक्त, घूमते वक्त हर समय फोन लोगों की जरूरत बन गया है। यही वजह है कि अधिकतर लोग मेंटल हेल्थ को लेकर अक्सर परेशान रहते हैं। बहुत से लोग सुबह उठते ही सबसे पहला काम मोबाइल चलाने का करते हैं। कुछ तो ऐसे भी होते हैं जो सुबह उठकर बिस्तर पर ही घंटों तक मोबाइल चलाते हैं। अगर आप भी यही काम करते हैं तो अब समय आ गया है कि अपनी इस आदत को सुधार लें। क्योंकि यह आपकी हेल्थ के लिए बिल्कुल सही नहीं है।

आजकल लोग अपने फोन को या तो अपने बगल में या सिरहाने पर रखकर सोते हैं। इससे काफी नुकसान होता है। क्योंकि मोबाइल से रेडिएशन निकलती है, जो कैंसर सहित कई खतरनाक बीमारियों का कारण बनती है। आइए जानते हैं कि क्यों आपको सुबह उठकर सबसे पहले फोन चलाने की गलती नहीं करनी चाहिए।

सुबह उठकर तुरंत क्यों नहीं चलाना चाहिए फोन?

बढ़ता है तनाव: बहुत से लोग 8-9 घंटे की नींद लेने के बाद भी सुबह तनाव महसूस करते हैं और सोचते हैं कि उनके साथ ऐसा क्यों हो रहा है। दरअसल इसके पीछे की वजह आपका फोन है। जब आप सुबह फोन खोलकर देखते हैं तो उसमें कई चीजें ऐसी होती हैं, जो आपको चिंता या तनाव में डाल देती हैं। इसकी वजह से नेगेटिविटी बढ़ने लगती है, जिससे आपको स्ट्रेस फील होता है।

प्रोडक्टिविटी में आती है कमी: आपने कई बार यह महूसस किया होगा कि तरोताजा होने के बावजूद आपका काम में मन नहीं लगता। आप एक्टिव महसूस नहीं करते और तो और प्रोडक्टिविटी में भी कमी आने लगती है। यह कहीं न कहीं सुबह उठकर फोन चलाने की वजह से होता है। क्योंकि आधी एनर्जी आपकी उसमें चली जाती है। मेंटल हेल्थ पर पड़ता है बुरा असर: सुबह उठकर जब आप फोन खोलते हैं तो कई बार आपको कुछ नेगेटिव और नफरती भरे मैसेज पढ़ने को मिल जाते हैं, जिसकी वजह से आपका मूड अपसेट हो सकता है और मेंटल हेल्थ पर बुरा असर पड़ता है। (आरएनएस)

वैधानिक सूचना

सुविज्ञ पाठकों से आग्रह है कि इस समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन में दिए गए तथ्यों, शर्तों और दावों के प्रति वह खुद भी आश्वस्त हो लें। पाठकों से आग्रह है कि वह प्रकाशित विज्ञापन से प्रभावित होकर कोई कदम उठाने से पहले अपने स्तर पर भी स्वयं के संतुष्ट होने तक संपूर्ण व्यावहारिक जानकारी कर लें। भविष्य में किसी भी प्रकाशित विज्ञापन व लेख में निहित दावों या शर्तों को लेकर पाठकगण को कोई असुविधा या परेशानी होती है तो *सांध्य दैनिक दून वैली मेल* के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की कोई जवाबदेही नहीं होगी।

–प्रबंधक विज्ञापन

घरेलू नुस्खों से मिलेगा छींक से छुटकारा

जब भी कोई बैक्टीरिया नाक में प्रवेश करता है तो हमारा दिमाग उसकी प्रतिक्रिया देता है। छींक आना एक शारीरिक प्रक्रिया है जिसे संचालित करने में वोकल कॉर्ड और पेट की मांसपेशियां भी भाग लेती हैं। ऐसा नहीं है कि केवल सर्दी-जुकाम होने पर ही छींक आती है, बल्कि छींक आने के कई और कारण भी हो सकते हैं। कुछ शोध बताते हैं कि आंखों की पलकों के टूटने पर भी किसी को छींक आ सकती है। इसके अलावा कुछ लोगों को चॉकलेट से एलर्जी होती है, जिस वजह से उन्हें छींक आती है। ऐसे में कुछ आसान घरेलू नुस्खों को आजमाकर छींक से छुटकारा पाया जा सकता है...

अगर आपको बहुत ज्यादा छींक आती है तो साइट्रस फ्रूट्स उसमें राहत पहुंचा सकते हैं। संतरा, नींबू, अंगूर और बहुत से फल साइट्रस फ्रूट्स के अंतर्गत आते हैं। इनमें ऐंटी-ऑक्सिडेंट्स भरपूर मात्रा में पाए जाते हैं जो शरीर की प्रतिरक्षा तंत्र को मजबूत बनाते हैं। सर्दी-जुकाम फैलाने वाले बैक्टीरिया से लड़ने में ये फल काफी मददगार होते हैंऐंटी-ऑक्सिडेंट्स और ऐंटी-बैक्टीरियल गुणों से भरपूर आंवला इम्यूनिटी के लिए बेहतर होता है। दो या तीन आंवला प्रतिदिन खाने से छींकने की समस्या से निजात पाई जा सकती है।छींक से छुटकारा पाने के लिए दिन में दो या तीन बार बड़ी इलायची चबाएं। इससे भी आपको आराम मिल सकता है।अदरक में ऐंटीसेप्टिक गुण पाए जाते हैं। तीन इंच अदरक के टुकड़े को 2 चम्मच शहद के साथ मिलाकर पानी के साथ उबालें। रोज सोने से पहले इस मिश्रण की चुस्कियां लें, राहत मिलेगी।

कपड़ों से मेकअप के दाग हटाने के लिए आजमाएं ये तरीके

अक्सर जब महिलाएं जल्दबाजी में मेकअप करती हैं तो यह कपड़ों पर भी गिर जाता है, जिससे कपड़े खराब लगने लगते हैं।इस समस्या से बचने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि मेकअप करते समय गले की तरफ से कपड़ों पर टिश्यू लगा लें ताकि उत्पाद कपड़ों पर न गिरे।इसके बावजूद अगर किसी भी कारणवश आपके कपड़ों पर मेकअप का दाग लग जाता है तो इन 5 तरीकों की मदद से आप इससे छुटकारा पा सकती हैं।

शेविंग क्रीम का उपयोग कपड़ों से फाउंडेशन का दाग हटाने के लिए किया जा सकता है।इसके लिए कपड़े को ठंडे पानी से धोने या वॉशिंग मशीन में डालने से पहले क्रीम को लगभग 10 मिनट के लिए कपड़े पर लगाकर छोड़ दें।यह उपाय लिपस्टिक, लिक्विड आईशैडो या सीरम सहित किसी भी तेल-आधारित उत्पाद को कपड़ों से हटाने में भी मदद कर सकता है।यहां जानिए शेविंग क्रीम से जुड़े हैक्स।

अगर आपके किसी कपड़े पर किसी मेकअप उत्पाद का दाग लग गया है तो उसे छुड़ाने के लिए कॉटन बॉल या वॉशक्लॉथ पर थोड़ा रबिंग अल्कोहल डालें। इसके बाद इसे दाग से प्रभावित हिस्से पर हल्के हाथों से रगड़ें।यह तरीका मुख्य रूप से लिपस्टिक के दाग हटाने के लिए अच्छा है। हालांकि, अगर आपके पास रबिंग अल्कोहल नहीं है तो आप इसकी जगह एसीटोन या नेल पॉलिश रिमूवर भी आजमा सकते हैं।

अगर कभी चेहरे पर लूज पाउडर का उपयोग करते समय यह गहरे रंग के कपड़ों पर गिर जाता है तो इस पर हाथ फेरने की गलती न करें।इस तरह से आपके कपड़े खराब हो सकते हैं। लूज पाउडर या फिर अन्य पाउडर आधारित उत्पादों को कपड़ों से हटाने के लिए ब्लो ड्रायर का उपयोग करना अच्छा है।लाभ के लिए ब्लो ड्रायर को कोल्ड सेटिंग पर सेट करके इसे थोड़ी दूर से कपड़े पर फहराएं।

अगर आप किसी सफेद रंग के कपड़े से मेकअप के दाग हटाना चाहते हैं तो इसके लिए ब्लीच का उपयोग करना बेहतरीन है।लाभ के लिए कपड़े के दाग वाले हिस्से के पिछले हिस्से पर धीरे से थोड़ा ब्लीच लगाएं। अब कपड़े को रगड़ें नहीं, बल्कि कुछ देर के लिए इसे ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद कपड़े को ठंडे पानी से धो लें।

शब्द सामर्थ्य -022

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं

1. रूचिकर लगने वाली, रूचि के अनुकुल, चुनी हुई 3. राजाओं के बैठने का आसन 6. श्रमिक 7. कार्य, काज 9. वाद्ययंत्र आदि बजाने वाला 10. सहारा, सहायक वस्तु 11. शर्म, लाज, हया 12. मक्खन, माखन 14. श्रीमती राबड़ी देवी इस प्रदेश की मुख्यमंत्री हैं 15. चंद्रमा, रजनीश, चांद 18. पुस्तक 20. अवधि, समय 21. तर्क वितर्क और कहा-सुनी, जबानी झगड़ा 22. सूरत, आकार 23. झुका हुआ, नत।

ऊपर से नीचे

1. पंद्रह दिन का समय, शुक्ल या कृष्ण पक्ष 2. आग बुझाने की मशीन 3. हिंदु विवाहित स्त्री के मांग में भरने का लाल चूर्ण 4. पराजय, माला 5. मुंह ढकने का कपड़ा, घुंघट 8. चंदन, दक्षिण का एक पर्वत 10. व्यवस्थित करना, सजाना, स्वभाव आदि का परिष्कार, शुद्ध संबंधी कृत्य 12. विशालता, बड़प्पन, महान होने का भाव 13. अड़चन, रुकावट 15. जमीन के अंदर गहरा और लंबा रास्ता, अच्छे रंग का 16. बेवकूफ, मूर्ख, अहमक 17. औसत के हिसाब से 18. कृषक 19. अधिक, ज्यादा।

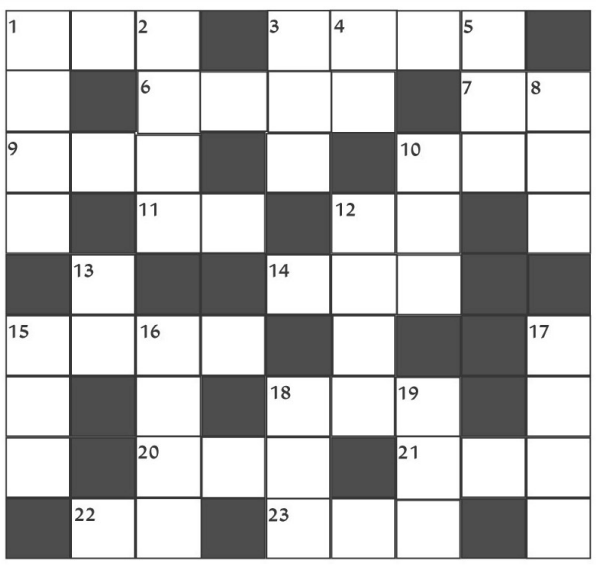

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 21 का हल

ज	ल		आ	वा	जा	ही		
मा		खू	ब		दू	र	स्थ	
ना	दा	न		सा	ग		ल	क्ष्य
	न	ख		त	र	ल		
	वी	रा	न			च	ट	क
	र	ब		आ	ज	क	ल	
			आ	ग		दा	ना	
	अ	ग	र	म	ग	र		क्रो
भा	भी		ती	न			व	ध

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने कराया स्वास्थ्य परीक्षण

संवाददाता

देहरादून। ब्रहमकमल शक्ति संस्था के नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर में लोगों ने अपना स्वास्थ्य परीक्षण कराया।

आज यहां ब्रह्मकमल शक्ति संस्था द्वारा समाजसेवा के संकल्प के तहत देहरादून के प्रतिष्ठित हॉस्पिटल सीएमआई अस्पताल के सहयोग से आयोजित नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर शिव मंदिर, परीमहल, इंजीनियर एनक्लेव, देहरादून में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर शिव मंदिर के सामुदायिक भवन में समिति के अध्यक्ष अभिनव थापर व मंदिर की मुख्य सेविका मीरा बाई ने सभी उपस्थित डॉक्टरों को रामजी का अंगवस्त्र पहनाकर सम्मानित किया, जिससे कार्यक्रम का शुभारंभ गरिमामय वातावरण में हुआ। नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर के संयोजक व संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट अभिनव थापर ने कहा कि संस्था समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है और भविष्य में भी ऐसे जनहितकारी आयोजन जारी रहेंगे।

उन्होंने शिविर में सहयोग के लिए सीएमआई अस्पताल, देहरादून का आभार व्यक्त किया। डॉ. अंशिका जैन (एमडी मेडिसिन), डॉ. निमिषा गुप्ता कला (स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ) तथा डॉ. विवेक कुमार तिवारी (डेंटिस्ट) ने शिविर में अपनी सेवाएं प्रदान कीं और मरीजों को आवश्यक चिकित्सीय परामर्श दिया। शिविर में आमजन के लिए बीपी (ब्लड प्रेशर), वजन, बीएमआई, सांस की जांच, शुगर टेस्ट (आरबीएस), दांतों की जांच एवं स्त्री रोग संबंधित जांच जैसी स्वास्थ्य सेवाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई गईं, साथ ही मरीजों को नि:शुल्क दवाओं का वितरण भी किया गया। भारी बरसात के बावजूद क्षेत्रवासियों में उत्साह बना रहा और भारी संख्या में लोगों ने शिविर में जांच एवं परामर्श का लाभ उठाया। शिविर के सफल आयोजन में संस्था के पदाधिकारियों एवं सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। शिविर में अध्यक्ष अभिनव थापर, उपाध्यक्ष अमिता आहूजा, अवधेश कुमार, पिया थापा, मंजू त्रिपाठी, शुभम सैनी, आलोक मेहता, स्वाति नेगी, शैलेश सिंह, प्रवीण मोगा, संजना, आदिल सहित अन्य क्षेत्रवासियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

उत्तराखंड में पेड़ों की कटाई बीजेपी का दोहरा चेहरा बेनकाब: आप

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी ने कहा कि उत्तराखण्ड में पेडों की कटाई बीजेवी के दोहरे चेहरे को बेनकाब कर रही है।

आज यहां दिल्ली में भाजपा सरकार द्वारा पेड़ों की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर और ग्रीन हेल्पलाइन पोर्टल शुरू करना एक सराहनीय कदम है। "हर पेड़ हमारे भविष्य की सांस है" यह संदेश निश्चित रूप से महत्वपूर्ण है। लेकिन सवाल यह है कि यही संवेदनशीलता उत्तराखंड में क्यों नहीं दिखाई देती? उत्तराखंड, जो देश का "देवभूमि" और प्राकृतिक धरोहर का प्रतीक है, वहां आज हजारों पेड़ों की कटाई का प्रस्ताव सामने आ रहा है। सड़कों, एक्सप्रेसवे और एयरपोर्ट विस्तार के नाम पर लगभग 95,000 पेड़ों को काटने की योजना बनाई जा रही है। यह स्पष्ट करता है कि बीजेपी की नीतियों में भारी विरोधाभास है, एक ओर दिल्ली में "ग्रीन हेल्पलाइन",दूसरी ओर उत्तराखंड में जंगलों का विनाश। यह दोहरा चेहरा अब जनता के सामने पूरी तरह उजागर हो चुका है। आम आदमी पार्टी पूछती है कि क्या उत्तराखंड के पेड़ों की कोई कीमत नहीं है? क्या यहां की नदियां, जंगल और पर्यावरण केवल विकास के नाम पर कुर्बान कर दिए जाएंगे? आखिर क्यों उत्तराखंड में भी पेड़ों की सुरक्षा के लिए हेल्पलाइन नंबर शुरू नहीं किया गया? हम मांग करते हैं कि उत्तराखंड में भी तुरंत "ग्रीन हेल्पलाइन" शुरू की जाए, ताकि आम नागरिक अवैध पेड़ कटान की शिकायत कर सकें। प्रस्तावित बड़े पैमाने पर पेड़ कटान की योजना को तत्काल रोका जाए और उसका पर्यावरणीय मूल्यांकन सार्वजनिक किया जाए।

फ्री स्वास्थ्य कैंप में 845 लोगों ने स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया

संवाददाता

देहरादून। जनता पाइल्स क्लिनिक द्वारा जैन धर्मशाला, देहरादून में एक विशाल नि:शुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में 845 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया।

आज यहां जनता पाइल्स क्लिनिक द्वारा जैन धर्मशाला, देहरादून में एक विशाल नि:शुल्क मेडिकल कैंप का सफल आयोजन किया गया। इस कैंप में 845 से अधिक लोगों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। कैंप के दौरान मरीजों के लिए लगभग 8000 तक के महंगे टेस्ट पूरी तरह नि:शुल्क किए गए, जिससे आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को विशेष राहत मिली। इस आयोजन में बवासीर, फिशर एवं भगन्दर जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीजों

की विशेषज्ञ डॉक्टरों द्वारा जांच की गई तथा उन्हें उचित परामर्श प्रदान किया गया। इसके साथ ही, सभी जरूरतमंद मरीजों को नि:शुल्क दवाइयां भी वितरित की गईं, जिससे इलाज की प्रक्रिया को सरल और सुलभ बनाया गया।

कैंप में डॉक्टरों ने मरीजों को आधुनिक तकनीकों द्वारा उपचार की जानकारी दी और साथ ही सही खान-पान, नियमित दिनचर्या एवं स्वच्छ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया। इस नि:शुल्क मेडिकल कैंप की विशेषता यह रही कि इसमें केवल देहरादून ही नहीं, बल्कि बिहार, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, पंजाब, दिल्ली सहित विभिन्न राज्यों से भी बड़ी संख्या में लोग उपचार के लिए पहुंचे। यह आयोजन लोगों के बीच जागरूकता और विश्वास का केंद्र बनकर उभरा। इस अवसर पर जनता पाइल्स क्लिनिक ने अपनी दो नई शाखाओं के शुभारंभ की भी घोषणा की, जिससे अधिक लोगों तक बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जा सकेंगी। मरीजों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के नि:शुल्क मेडिकल कैंप समाज के लिए अत्यंत लाभकारी हैं। उन्होंने जनता पाइल्स क्लिनिक की पूरी टीम का आभार व्यक्त किया और भविष्य में भी ऐसे कैंप आयोजित करने की अपील की।

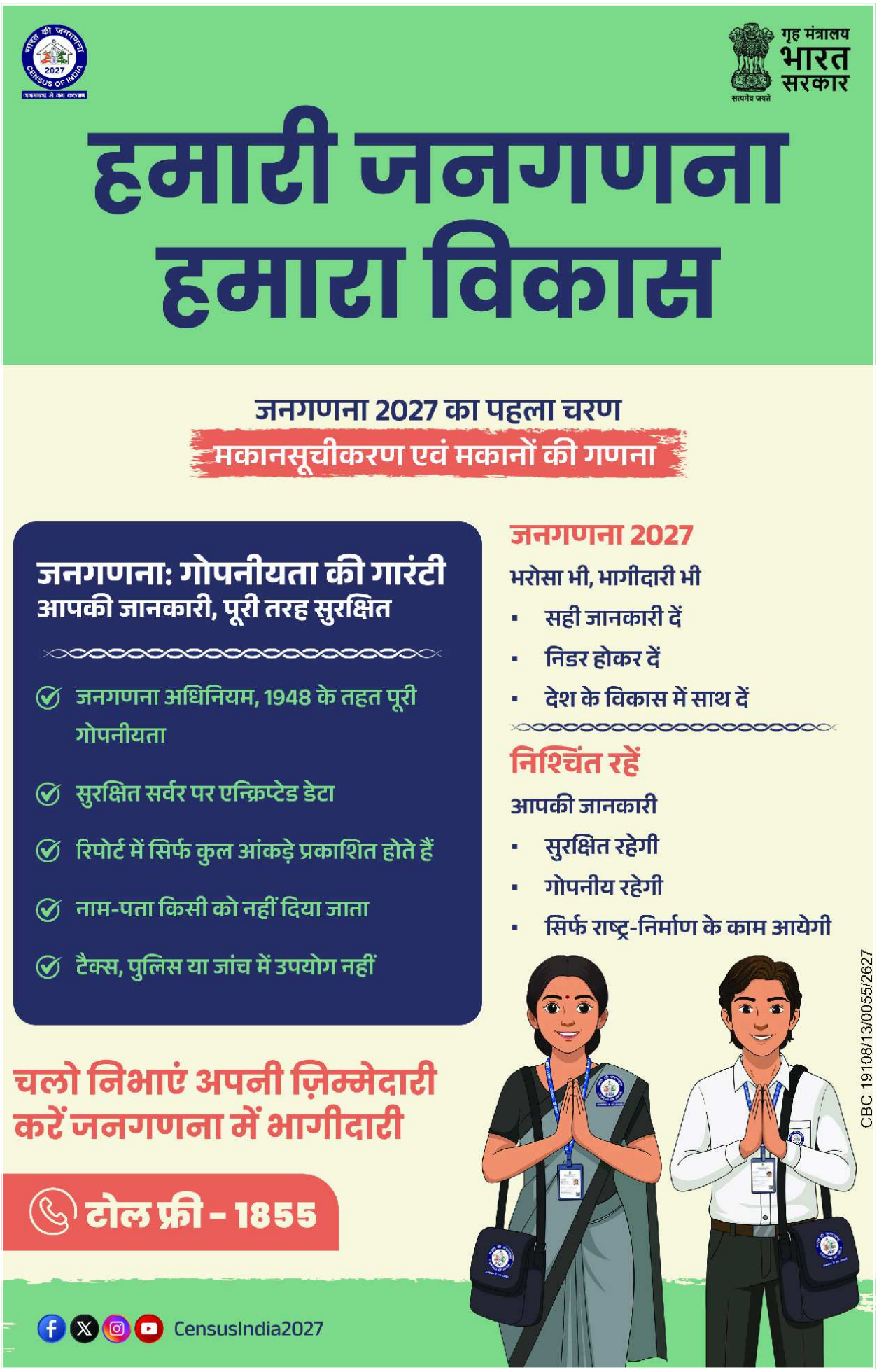

स्वामी विवेकानंद अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं में 258 विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

अल्मोड़ा(आरएनएस)। रामकृष्ण कुटीर की ओर से राजकीय इंटर कॉलेज अल्मोड़ा में स्वामी विवेकानंद अंतर्विद्यालयी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। प्रतियोगिताओं में नगर के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भागीदारी की। कार्यक्रम के तहत ड्राइंग एंड पेंटिंग, क्विज, भाषण, शॉर्ट प्ले, नृत्य, गीता पाठ और गद्यांश लेखन प्रतियोगिताएं आयोजित हुईं। यह प्रतियोगिताओं का दूसरा चरण था। इससे पहले प्रथम चरण की प्रतियोगिताएं विभिन्न स्कूलों में आयोजित की गई थीं। आयोजकों के अनुसार प्रथम चरण में 39 विद्यालयों के 1702 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया था। इनमें से चयनित 258 विद्यार्थी दूसरे चरण की प्रतियोगिताओं में शामिल हुए। कला प्रतियोगिता में 70, गीता पाठ में 18, क्विज में 33, भाषण में 15, गद्यांश लेखन में 89, ड्रामा में 14 और सांस्कृतिक प्रतियोगिता में 19 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिताओं में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 31 मई 2026 को आयोजित कार्यक्रम में सम्मानित किया जाएगा। प्रतियोगिताएं रामकृष्ण कुटीर के अध्यक्ष स्वामी ध्रुवेशानंद महाराज के संरक्षण में आयोजित हुईं, जबकि व्यवस्थाओं का संचालन स्वामी मायाधीशानंद ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. चंद्र प्रकाश फुलोरिया ने किया। प्रतियोगिताओं में निर्णायक की भूमिका ब्रह्मचारी राजू महाराज, जगदीश चंद्र पांडे, राजेंद्र सिंह खरायत, गीता पॉल, डॉ. विमल कांडपाल और डॉ. सपना समेत अन्य लोगों ने निभाई।

साधकों ने मौन के माध्यम से आत्मिक गहराईयों को जाना

ऋषिकेश(आरएनएस)। परमार्थ निकेतन में तीन दिवसीय मौन रिट्रीट का आयोजन हुआ, जिसमें देश-विदेश से आए साधकों ने मौन के माध्यम से अपने भीतर के शोर को शांत कर आत्मिक गहराइयों से संवाद को आत्मसात किया। परमार्थ निकेतन के अध्यक्ष स्वामी चिदानंद सरस्वती ने तीन दिवसीय मौन रिट्रीट के अंतिम दिन साधकों को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि आज के युवा के पास बाहरी दुनिया के कोलाहल में उलझने के कई साधन है। इसलिये जरूरी है कि प्रतिदिन कुछ समय मौन के माध्यम से अपने भीतर की शांति को खोजा जाये। सेवा, संवेदना और समर्पण के माध्यम से जीवन को ऊंचाइयों तक ले जाना ही परमार्थ का परम उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि उपनिषदों का ज्ञान मौन की गहराइयों से ही प्रकट हुआ। जहाँ शब्द समाप्त होते हैं, वहीं सत्य का उदय होता है। मौन केवल ध्वनि का अभाव नहीं, बल्कि चेतना का उत्कर्ष है। इसी मौन में ऋषियों ने ब्रह्म का साक्षात्कार किया, इसी में जीवन के परम रहस्य उद्घाटित हुए। मौन ही वह सेतु है, जो जीव को शिव से, व्यक्ति को विराट से जोड़ता है। जब मन शांत होता है, तब आत्मा मुखर होती है। जब विचार थमते हैं, तब अनुभूति जागृत होती है। मौन में ही समर्पण है, मौन में ही विस्तार, यही सनातन का शाश्वत संदेश है।

सू- दोकू क्र.022

	7				1		3	
1		9				5		
			3				1	
		5						3
3					2		5	
				3				2
	4						7	
7		8		1		6		
	6		7		9			1

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 21 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

आपदा के आठ महीने बाद भी बदहाल है बसुकेदार-गुप्तकाशी मार्ग

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। जखोली से मयाली व बसुकेदार से गुप्तकाशी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग की स्थिति अभी भी जर्जर बनी है।

छेनागाड़ व आसपास के क्षेत्रों में आई प्राकृतिक आपदा के आठ महीने बीत जाने के बाद भी इस सड़क की हालत खस्ताहाल बनी हुई है। यह सड़क अब लोगों के लिए जोखिम भरा रास्ता बन चुकी है। इस महत्वपूर्ण मार्ग से जुड़े क्यूड़ी, अधूली, किमाणा और दानकोट सहित कई गांवों के ग्रामीण आज भी बुनियादी आवागमन सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रहे हैं। आपदा के बाद जहां त्वरित राहत और पुनर्निर्माण की उम्मीद थी वहीं जमीनी हकीकत इससे बिल्कुल उलट दिखाई दे रही है।

आपदा के आठ महीने बाद भी जखोली से मयाली व बसुकेदार से गुप्तकाशी को जोड़ने वाले मोटर मार्ग की हालत खराब है। साथ ही लगातार हो रही बारिश और भूस्खलन ने हालात को और अधिक गंभीर बना दिया है। ग्राम स्यूर निवासी नंदलाल ने कहा कि आपदा के बाद कई बार सर्वे किए गए, पर धरातल पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। ग्राम प्रधान माहेश्वरी देवी ने ठेकेदार की कार्यशैली पर सवाल उठाते हुए कहा कि सड़क की मरम्मत को लेकर ठोस कार्य नहीं हो रहे है। प्रधान किमाणा पवन कुमार ने बताया विनोवा बैंड से खाटली तक सड़क की स्थिति अत्यंत जर्जर हो चुकी है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में प्रशासन को कई बार लिखित शिकायतें भेजी जा चुकी हैं पर उनकी अनदेखी की जा रही है। स्थानीय निवासी सुमित सिंह ने बताया कि कहना है कि सड़क की अनदेखी उनके जीवन, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर सीधा असर डाल रही है। बीमारों को अस्पताल पहुंचाना और बच्चों का स्कूल जाना तक जोखिम भरा हो गया है।

मद्महेश्वर घाटी में सड़क व पैदल मार्ग की स्थिति है खस्ताहाल

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। द्वितीय केदार भगवान मद्महेश्वर के कपाट आगामी 21 मई को खोले जाने हैं लेकिन अब तक यहां सड़क व पैदल मार्ग की स्थिति में कोई सुधार नहीं किया गया है। गौंडार गांव तक सड़क पहुंचाने के लिए राशि से आगे पांच किलोमीटर सड़क निर्माण का कार्य चल रहा है लेकिन अभी सड़क तीन किलोमीटर तक ही बनाई गई है। साथ ही सड़क निर्माण से पैदल मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया है और सड़क निर्माण कार्य इन दिनो ठप है। कार्य गति धीमी होने के कारण क्षेत्र के लोगों में आक्रोश है। गांव के पूर्व प्रधान बीरेंद्र सिंह पंवार ने कहा कि लोनिवि के माध्यम से बन रहे इस मार्ग पर इन दिनों निर्माण कार्य बंद है। बताया कि गांव तक पहुंचने के लिए पैदल मार्ग की स्थिति खराब है। कहा इस पैदल मार्ग पर ना तो घोड़े खच्चरों के जाने का रास्ता है और ना ही खाद्यान सामाग्री पहुंच पा रही है। मजदूरों के माध्यम से सामान ढुवाई पर अधिक धन का भुगतान करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि तरसाली तोक से गौंडार तक निर्माण कार्य बंद होने से लोगों में आक्रोश है। वहीं लोक निर्माण विभाग के अधिशासी अभियंता राकेश प्रकाश नैथानी ने बताया कि तकनीकी खामी के कारण जेसीबी मशीन से कार्य नहीं हो पा रहा है जिसे दो दिन में दुरुस्त कर कार्य शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया पैदल मार्ग को बनाने के लिए श्रमिक कार्य कर रहे है 100 मीटर तक पैदल मार्ग बन गया है शेष 500 मीटर मार्ग को बनाया जा रहा है।

गौंडार गांव में पूर्ण शराबबंदी लागू

रुद्रप्रयाग(आरएनएस)। मद्महेश्वर घाटी के सुदूरवर्ती गांव गौंडार गांव को नशामुक्त करने के लिए महिला मंगल दल ने पूरे गांव में पूर्ण शराबबंदी का एलान किया है। अब से गांव की सीमा में शराब पीने, बेचने या किसी भी समारोह में इसका इस्तेमाल करने पर 21 हजार का जुर्माना वसूला जाएगा। फैसले को ग्राम प्रधान, गांव की देखरेख समिति के सरपंच और नवयुवक मंगल दल का भी पूर्ण समर्थन मिला। महिला मंगल दल की महिलाओं ने गांव के बणद्यौ धार से लेकर वन तोली तोक की पगडंडियों पर तख्तियां लेकर जागरूकता रैली निकाली। इसके बाद महिला मंगल दल की अध्यक्ष प्रतिभा देवी के नेतृत्व में हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव तैयार किया गया। नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति से 21 हजार रुपये का अर्थदंड वसूला जाएगा। इस अवसर पर वीना देवी, विनीता देवी, कविता देवी, रेखा देवी, प्रीति देवी, शिवानी, गीता, दीपा, सरला आदि ने जागरूकता रैली में शामिल रही।

गैस कीमतों पर उक्रांद ने थाली बजाकर किया प्रदर्शन

हल्द्वानी(आरएनएस)। उत्तराखंड क्रांति दल ने रसोई गैस की बढ़ती कीमतों के विरोध में केंद्र सरकार के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया। बुद्ध पार्क में एकत्रित कार्यकर्ताओं ने अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के केंद्रीय अध्यक्ष रवि वाल्मीकि के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी की और ताली-थाली बजाकर विरोध जताया। रवि ने कहा कि सरकार महंगाई पर लगाम लगाने में पूरी तरह नाकाम रही है, जिससे आम जनता का बजट बिगड़ गया है। उन्होंने कहा कि रसोई गैस के दाम बढ़ने से मध्यम और निम्न वर्ग के परिवारों के सामने गंभीर संकट खड़ा हो गया है। जिला महामंत्री उत्तम सिंह बिष्ट ने कहा कि इसका सीधा असर छोटे दुकानदारों और रेहड़ी-पटरी वालों पर पड़ा है, जो खाद्य सामग्री बेचकर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी ने सरकार को जनविरोधी बताते हुए कहा कि महंगाई और भ्रष्टाचार चरम पर हैं, जबकि युवा रोजगार के लिए भटक रहा है। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि घरेलू और व्यावसायिक गैस सिलेंडरों के दाम जल्द कम नहीं किए गए, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। संचालन जिला महामंत्री उत्तम सिंह बिष्ट ने किया। यहां केंद्रीय उपाध्यक्ष भुवन जोशी, अशोक सिंह, मोहन कांडपाल, दीपक भारती आदि रहे।

बुरांश का उत्पादन घटने से बढ़ा जूस के दाम

उत्तरकाशी(आरएनएस)। इस वर्ष बुरांश के फूलों का उत्पादन काफी कम हुआ है। इसके कारण बाजार में बुरांश के जूस की कीमत दस से पंद्रह रुपये प्रति लीटर बढ़ गई है। यह स्थिति स्थानीय महिलाओं की आय पर भी असर डाल रही है। औषधीय गुणों से भरपूर बुरांश के जूस की गर्मियों में भारी मांग रहती है। लोग स्वास्थ्य लाभ के लिए इसे बड़ी मात्रा में खरीदते हैं। कुछ वर्षों से जंगलों में बुरांश खूब खिल रहा था। इसका जूस अब घर-घर की पहचान बन गया है। महिलाएं जंगलों से फूल तोड़कर घर पर अपने उपयोग के लिए शर्बत बनाती हैं। वे प्रसंस्करण इकाइयों को फूल बेचकर भी पैसा कमाती हैं। इस सीजन में कम उत्पादन के कारण महिलाएं कमाई नहीं कर पाई हैं।

कोट ब्लॉक में भारत गैस आपूर्ति ठप, डेढ़ माह से ग्रामीण परेशान

पौड़ी(आरएनएस)। विकासखंड कोट क्षेत्र में भारत गैस की आपूर्ति व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है।

ग्रामीणों का कहना है कि 24 मार्च के बाद से अब तक गैस डिलीवरी वाहन ब्लॉक क्षेत्र में नहीं पहुंचा है, जिससे लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। गैस वाहन न आने के कारण रोजाना 25 से 30 उपभोक्ता जिला मुख्यालय स्थित भारत गैस कार्यालय पहुंच रहे हैं।

गांवों से महिलाएं निजी वाहनों के जरिए सिलिंडर लेकर मुख्यालय आती हैं, जहां उन्हें दो से तीन घंटे तक लंबी लाइनों में खड़ा रहना पड़ता है। इसके बावजूद कई बार सत्यापन या बुकिंग संबंधी समस्याओं का हवाला देकर उपभोक्ताओं को बिना सिलिंडर दिए ही वापस भेज दिया जाता है। इस दौरान गांव लौटने वाले वाहन छूट जाने से कई लोगों को मुख्यालय में ही रिश्तेदारों के यहां रुकने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

जिला पंचायत कठुड़ आराधना देवी, क्षेत्र पंचायत सदस्य अजय कुमार व सामाजिक कार्यकर्ता तामेश्वर आर्य ने बताया कि गैस आपूर्ति बाधित होने से लोग फिर से लकड़ी के चूल्हों पर खाना बनाने को विवश हैं।

गैस न मिलने से महिलाओं को लकड़ी के लिए जंगलों का रुख करना पड़ रहा है। ऐसे में जंगली जानवरों, खासकर गुलदार के हमलों का खतरा भी बना हुआ है। बुजुर्गों और महिलाओं को इस स्थिति में सबसे अधिक परेशानी झेलनी पड़ रही है।

ग्रामीणों का कहना है कि गैस एजेंसी कार्यालय से हर बार अगले मंगलवार का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन व्यवस्था में सुधार नहीं हो रहा है। उन्होंने प्रशासन से जल्द नियमित आपूर्ति बहाल करने की मांग की है।

एनसीसी कैडेट्स को वितरित की गई सीएम गोल्ड मैडल व छात्रावृति

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की में आज उत्तराखंड सरकार के कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा द्वारा ले. कर्नल अमन कुमार सिंह, कार्यवाहक कमान अधिकारी की उपस्थिति में एनसीसी कैडेट्स को छात्रवृत्ति का वितरण किया गया। आज वितरित की गई छात्रवृत्ति में मुख्यत: मुख्यमंत्री छात्रवृति, कैडेट वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति व बेस्ट कैडेट अवार्ड शामिल थे ।

कैबिनेट मंत्री प्रदीप बत्रा द्वारा बीएमएम स्नातकोत्तर महाविद्यालय, रुड़की के यूओ अनंत चौहान को मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति धनराशि 12 सौ रूपये आनंद स्वरूप आर्य सरस्वती विद्या मंदिर रुड़की के कैडेट यशोवर्धन पंवार को 12 सौ रूपये व कैडेट दीप्ति को 600 रूपये का चेक देकर सम्मानित किया । इसी श्रृंखला में आर्मी पब्लिक स्कूल, रुड़की के कैडेट आदित्य पॉल को जे.डी. बेस्ट कैडेट अवार्ड हेतु धनराशि 4500 रूपये व कैडेट काशवी कालरा को जे.डब्ल्यू. सेकंड बेस्ट कैडेट हेतु धनराशि 3500 रूपये का चेक देकर पुरस्कृत किया गया। इससे अतिरिक्त आज बटालियन में कैडेट वेलफेयर सोसाइटी द्वारा दी जाने वाली छात्रवृत्ति 6000 रूपये प्रति कैडेट से पाँच कैडेट्स को सम्मानित किया गया जिसमे सेंट ऐंस सिनियर सेकेंडरी स्कूल, रुड़की की कैडेट एकांशी गोयल व कैडेट शिवांगी शर्मा और आर्मी पब्लिक स्कूल नो 1, रुड़की के कैडेट अनमोल सिंह, कैडेट साहिल बिष्ट व कैडेट वैष्णवी बेहेरा रहे। इस अवसर पर कमान अधिकारी द्वारा कैडेट्स को उज्जवल भविष्य हेतु आशीर्वाद दिया गया व उन्हें सेना में जाकर उत्तम कैरियर बनाने हेतु मार्गदर्शित किया गया। आज छात्रवृत्ति वितरण समारोह में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी कु. लता कंबोज, कैप्टन विशाल शर्मा, सेकंड ऑफिसर सुनीता नौटियाल, सीटीओ शाहिना, सूबेदार सुभाष चंद्रा, सूबेदार पंकज पाल, प्रधान सहायक प्रमोद जोशी, बीएचएम केशवानंद, कार्यक्रम संयोजक कार्यालय अधीक्षक प्रशिक्षण रवि कपूर, हवलदार पूरन सिंह, हवलदार राजेन्द्र सहित कई लोग शामिल रहे।

अदालती सूचना

आज्ञा से श्री अकरम अली, उत्तराखण्ड न्यायिक सेवा, देहरादून।

न्यायालय तृतीय अपर सिविल जज (सीनियर डिवीजन), देहरादून।

प्रकीर्ण वाद सं0-259 वर्ष-2024

(मूल वाद सं0-348/2014, महमूद अख्तर बनाम चमन लाल)

नोटिस बनाम

1. राजू वर्मा पुत्र स्व0 श्री चमन लाल वर्मा निवासी-17/1, नेहरू रोड, जिला देहरादून।

2. श्रीमती बेला थापर पत्नी श्री शशि थापर निवासी-17/1, नेहरू रोड, जिला देहरादून।

--- विपक्षीगण

चूंकि मा0 न्या0 द्वारा आपके विरूद्ध एक प्रार्थना पत्र न्यायालय में योजित किया हुआ है, जिसमें आपके द्वारा उक्त वाद में आपत्ति प्रस्तुत करने व सुनवाई हेतु न्यायालय द्वारा दिनांक 07.05.2026 तिथि नियत की गयी है।

एतद्द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आप नियत तिथि 07.05.2026 को सुबह 10:00 बजे स्वयं अथवा अधिवक्ता के माध्यम से न्यायालय में उपसंजात होकर अपनी आपत्ति प्रस्तुत करें अन्यथा आप विपक्षीगण की अनुपस्थिति में उपरोक्त वाद आपके विरूद्ध एकपक्षीय रूप से सुनकर निर्णित कर दिया जायेगा।

आज दिनांक 2/5/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुद्रा सहित जारी किया गया।

आज्ञा से

न्यायालय तृतीय अपर सिविल जज (सी0डि0) देहरादून।

तीन दुपहिया वाहन चोरी

संवाददाता

देहरादून। चोरों ने तीन स्थानों से तीन दुपहिया वाहन चोरी कर लिये। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार न्यू बस्ती डालनवाला निवासी साकिर ने रायपुर थाने में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि वह रिंग रोड स्थित शराब के ठेके पर गया था। उसने अपनी स्कूटी ठेके के बाहर खडी की थी। लेकिन जब वह थोडी देर बाद वापस आया तो उसकी स्कूटी अपने स्थान से गायब थी। वहीं नितिन मोहन सिलवाल ने नेहरू कालोनी थाने में अपने घर के बाहर से एक्टिवा चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। इसके साथ ही चिरंजीपुर निवासी प्रिंयका जोशी ने विकासनगर कोतवाली में नगर पालिका के बाहर से अपनी एक्टिवा चोरी होने का मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने तीनों मुकदमें दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले अमित शर्मा सहित 34 पुलिसकर्मियों को किया सम्मानित

संवाददाता

देहरादून। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रमेन्द्र डोबाल ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले अमित शर्मा सहित 34 पुलिस कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

आज वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून द्वारा पुलिस कार्यालय में पुलिस कर्मियों का सैनिक सम्मेलन लिया गया, सम्मेलन के दौरान एसएसपी द्वारा उपस्थित पुलिस कर्मियों से उनकी समस्याओं की जानकारी लेते हुए उपस्थित अधिकारियों को उनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिये गये। गोष्ठी के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले 34 पुलिस अधि./कर्म. को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया, साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार अपने कर्त्तव्यों का निर्वहन करने के लिये प्रेरित किया।

सम्मानित किये गये पुलिस कर्मियों में गोपनीय कार्यालय उपनिरीक्षक(एम) हृदयेश कुमार, उपनिरीक्षक(एम) हेमन्त जोशी, उपनिरीक्षक रमेश बडोनी, हैडकांस्टेबल रमेश बडोनी, कोतवाली मसूरी से कांस्टेबल आशीष रावत, कोतवाली कैन्ट से कांस्टेबल सुभाष मेहर, थाना बसन्त विहार से हेमवती नन्दन बहुगुणा, कोतवाली नगर से कांस्टेबल संदीप कुमार, कोतवाली रायवाला से कांस्टेबल अरविन्द कुमार,थाना सेलाकुई से उपनिरीक्षक कृपाल सिंह, कोतवाली सहसपुर से हैडकांस्टेबल डब्बल सिंह, थाना नेहरु कॉलोनी से कांस्टेबल बृजमोहन कनवासी, कांस्टेबल हितेश कुमार, साइबर सैल से हैडकांस्टेबल भरत सिंह रावत, महिला कांस्टेबल रचना निराला, थाना क्लेमेंटाउन से कांस्टेबल राजीव कुमार, कांस्टेबल कैलाश चन्द, कोतवाली डोईवाला से हैडकांस्टेबल संजय कुमार, पुलिस अधीक्षक नगर कार्यालय से हैडकांस्टेबल चालक दारा सिंह, कोतवाली ऋषिकेश से कांस्टेबल विनित, कोतवाली विकासनगर से कांस्टेबल ब्रजपाल सिंह, थाना रायपुर से उपनिरीक्षक सुशील बलूनी, थाना राजपुर से वरिष्ठ उपनिरीक्षक विनोद कुमार, यातायात पुलिस निरीक्षक यातायात ललित बोरा, महिला होमगार्ड हरप्रीत कौर, पुलिस दूरसंचार से हैडकांस्टेबल मनीष, कोतवाली डालनवाला से उपनिरीक्षक सुबोध कुमार, कोतवाली पटेलनगर से उपनिरीक्षक प्रवीण पुण्डीर, थाना रानीपोखरी महिला उपनिरीक्षक सीमा राघव, कोतवाली प्रेमनगर से उपनिरीक्षक अमित शर्मा, एलआईयू से उपनिरीक्षक अरविन्द कुमार, पुलिस कार्यालय से हे.कानि. विक्रम सिंह, उपनिरीक्षक परिवहन शाखा रणजीत सिंह, पुलिस लाईन देहरादून से हैडकांस्टेबल सन्दीप पसबोला को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सटोरिया गिरफ्तार, नगदी व सट्टा पर्ची बरामद

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। सार्वजनिक स्थान पर सट्टे की खाईबाड़ी कर रहे एक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। जिसके पास से 1020 रूपये की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की गयी है। जानकारी के अनुसार बीती रात कोतवाली रानीपुर पुलिस को सूचना मिली कि एक व्यक्ति पथरी पावर हाउस के समीप सिम्बल तिराहे के पास खाली प्लाट में सट्टे का कारोबार कर रहा है। सूचना पर कार्यवाही करते हुए पुलिस ने बताये गये स्थान पर दबिश देकर एक व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 1020 रूपये की नगदी व सट्टा पर्ची बरामद की गयी। पूछताछ में उसने अपना नाम साहिब पुत्र मेहताब निवासी ग्राम दादूपुर गोविन्दपुर निकट उमर मस्जिद थाना रानीपुर हरिद्वार बताया। पुलिस ने उसे जुआ अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर अग्रिम कार्यवाही शुरू कर दी है।

पिकअप वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल

संवाददाता

देहरादून। पिकअप वाहन की चपेट में आकर मोटरसाईकिल सवार घायल हो गया। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार स्टेशन रोड हर्रावाला निवासी दीपक पाठक ने डोईवाला कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराते हुए बताया कि उसके पिता कैलाश पाठक अपनी मोटरसाईकिल से घर की तरफ आ रहे थे। जब वह हरिद्वार रोड पर पहुंचे तभी तेज गति से आ रहे पिकअप वाहन ने उनको अपनी चपेट में ले लिया जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गये। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी।

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर आम आदमी पार्टी ने तेज की तैयारियां

संवाददाता

देहरादून। आम आदमी पार्टी के सह प्रभारी युवराज भारद्वाज ने कहा कि उत्तराखण्ड में बदलाव की लहर है और 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर उनकी पार्टी ने तैयारियां शुरू कर दी।

आज यहां आम आदमी पार्टी उत्तराखंड के सह-प्रभारी युवराज भारद्वाज ने आगामी 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में संगठन को मजबूत करने और जन-जन तक पार्टी की पहुंच बढ़ाने पर विशेष चर्चा की गई। युवराज भारद्वाज ने कहा कि आम आदमी पार्टी उत्तराखंड में काम कर रही है और पार्टी को जमीनी स्तर पर मजबूत करने के लिए नए कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य की जनता अब बीजेपी के "फर्जी पीआर" से संतुष्ट नहीं है और असल मुद्दों पर जवाब चाहती है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश की सड़कों की हालत खराब है, सरकारी स्कूलों की इमारतें जर्जर हैं और कई जगहों पर छतें टपक रही हैं। पिछले कुछ वर्षों में हजारों सरकारी स्कूल बंद कर दिए गए हैं, जबकि निजी स्कूलों की संख्या तेजी से बढ़ी है। स्वास्थ्य सेवाओं पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि सरकारी अस्पतालों में न दवाइयां हैं और न ही डॉक्टर, जिससे पहाड़ की बहनों और आम जनता को इलाज के लिए संघर्ष करना पड़ रहा है। पुलिस का अत्याचार भी दिन प्रतिदिन बढ़ता जा रहा है जिससे प्रदेश की कानून व्यवस्था पूरी तरह बेनकाब हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है और महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामले दिन-प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। वहीं, मंत्री नियमों को तोड़कर राजाजी नेशनल पार्क जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में पार्टियां आयोजित कर रहे हैं। युवराज भारद्वाज ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सोशल मीडिया पर प्रचार करवाने हेतु इन्फ्लुएंसर्स को पैसे दे रही है। साथ ही गैस सिलेंडर की बढ़ती कीमतों ने आम जनता की कमर तोड़ दी है। उन्होंने कहा कि "उत्तराखंड की जनता अब बदलाव चाहती है और इस बार आम आदमी पार्टी को चुनने के लिए तैयार है।" बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि आम आदमी पार्टी जल्द ही राज्यभर में घर-घर अभियान शुरू करेगी, जिससे हर परिवार तक पहुंचकर उनकी समस्याओं को सुना जा सके और समाधान की दिशा में काम किया जा सके। इस अवसर पर बैठक में, देवेंद्र कौटिल्य, डीके पाल, अशोक सेमवाल, चंद्रशेखर भट्ट, श्याम बाबू, श्याम लाल, चौधरी रविन्द्र, उमा सिसोदिया, शैलेश तिवारी, नसीर खान, शरद जैन, संजय क्षेत्री, हरि सिंह, वीर सिंह सहित कई अन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उत्तराखण्ड बनेगा भारतीय ज्ञान-विज्ञान और संस्कृति का वैश्विक केंद्र

संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि हरिद्वार में स्थित श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान को विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जायेगा।

आज यहां मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक कर ऋषिकुल, हरिद्वार में श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान के समग्र विकास और विस्तार की योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में संस्थान को भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन विज्ञान, संस्कृति और आधुनिक शोध के वैश्विक केंद्र के रूप में विकसित करने पर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड केवल आस्था और अध्यात्म की भूमि नहीं, बल्कि ऋषियों, ज्ञान और वैज्ञानिक चिंतन की भी भूमि रही है। ऋषिकुल, हरिद्वार में इस महत्वपूर्ण संस्थान को नई पहचान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान का कार्य जल्द शुरू किया जाए। कुंभ शुरू होने से पहले यह कार्य पूर्ण किया जाए। पर्यटन विभाग

इसमें नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा।

उन्होंने प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु को निर्देश दिये कि इस संस्थान के कार्यों की नियमित प्रगति के लिए संबंधित विभागीय सचिवों के साथ पाक्षिक बैठकें की जाएं। इसमें विकास के साथ विरासत के संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए। राज्य के सभी जनपदों की लोक कला पर आधारित गतिविधियां भी इसमें शामिल की जाएं। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थान में वैदिक गणित, वेदों में निहित विज्ञान, उपनिषदों का दर्शन, भारतीय तर्कशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान तथा जीवन मूल्यों पर आधारित शोध और अध्ययन की आधुनिक व्यवस्था विकसित की जाए। उन्होंने कहा कि भारत ने विश्व को शून्य, दशमलव प्रणाली, बीजगणित और त्रिकोणमिति जैसे महत्वपूर्ण गणितीय सिद्धांत दिए हैं। आर्यभट्ट, ब्रह्मगुप्त और वराहमिहिर जैसे महान विद्वानों के योगदान को शोध और शिक्षा से जोड़ा जाए। बैठक में संस्थान में खगोल विज्ञान, धातु विज्ञान, कृषि विज्ञान और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विषयों पर विशेष अध्ययन केंद्र

ऋषिकुल, हरिद्वार में श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान को विश्वस्तरीय स्वरूप दिया जाएगा - मुख्यमंत्री

स्थापित करने पर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के समय में वेदों और उपनिषदों में वर्णित नैतिक शिक्षा, अनुशासन, कर्तव्यबोध और मानवीय मूल्यों को समाज तक पहुंचाना आवश्यक है। यह संस्थान शिक्षा के साथ संस्कार और राष्ट्र निर्माण का भी केंद्र बने। उन्होंने कहा कि संस्थान में डिजिटल पांडुलिपि संरक्षण केंद्र, आधुनिक पुस्तकालय, शोध प्रयोगशालाएं, संगोष्ठी केंद्र, ई-लर्निंग सुविधाओं की व्यवस्था भी की जाए। बैठक के दौरान संस्थान में भारतीय विद्या शाखाओं के गहन अध्ययन को प्रोत्साहित करने के साथ ही पर्यटन, आयुर्वेद ज्योतिष और योग शिक्षा के रूप में विकसित करने पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में जानकारी दी गई कि ज्ञान, योग, ध्यान और भारतीय अध्यात्म की समृद्ध परंपराओं को संस्थान में वैश्विक केन्द्र के रूप में स्थापित किया जायेगा। जिसमें शैक्षणिक क्षेत्र के श्रुति केन्द्र में वेद, उपनिषद और शास्त्रीय ज्ञान की परंपरा, दर्शन केन्द्र में भारतीय दर्शन और चेतना के गहन विचार, आयु केन्द्र में आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य विज्ञान के माध्यम से जीवन का संतुलन, विज्ञान केन्द्र में भारतीय ज्ञान प्रणालियों और पारंपरिक विज्ञान की विरासत और कला केन्द्र में भारतीय कला, संस्कृति एवं सौन्दर्य परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति के रूप में विकसित किया जायेगा। बैठक में प्रमुख सचिव आर.के.सुधांशु, डॉ. आर.मीनाक्षी सुदंरम, सचिव धीराज गर्ब्याल, दीपक कुमार,डॉ. आर. राजेश कुमार, श्रीमती रंजना राजगुरू, उपाध्यक्ष हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण श्रीमती सोनिका, अपर सचिव बंशीधर तिवारी एवं वर्चुअल माध्यम से जिलाधिकारी हरिद्वार मयूर दीक्षित मौजूद थे।

गैस की कालाबाजारी के खिलाफ सुराज सेवा दल ने किया डीएसओ कार्यालय पर प्रदर्शन

संवाददाता

देहरादून। गैस सिलेंडर की कालाबाजारी के खिलाफ सुराज सेवा दल ने डीएसओ कार्यालय पर प्रदर्शन किया।

आज यहां सुराज सेवा दल के कार्यकर्ता अध्यक्षउ रमेश कुमार जोशी के नेतृत्व में जिला पूर्ति कार्यालय पर एकत्रित हुए। जहां पर उन्होंने प्रदर्शन कर जिला पूर्ति अधिकारी का घेराव कर ज्ञापन सौंपा। उनका कहा था कि आज शहरों से लेकर गांवों तक गैस की किल्लत हो रखी है तथा बडे-बडे होंटलों में इसकी कालाबाजारी की जा रही है। उनका आरोप था कि गैस के सिलेंडर रात के समय होटलों व ढाबों पर धडल्ले से बिक रहा है। उनका कहना था कि गांवों में बुकिंग के लिए 45 दिन व शहरों में 25 दिन का समय दिया जा रहा है।

उन्होंने मांग की है कि कोई जिम्मेदार अधिकारी उनके साथ चले तो वह बतायेंगे कि कैसे गैस की कालाबाजारी हो रही है। उनका कहना था कि गैस की कमी के चलते कई ढाबे, होटल बन्द हो रहे हैं। जिला पूर्ति अधिकारी ने आश्वासन दिया कि शीघ्र ही गैस की कमी को दूर किया जायेगा।

जीप खाई में गिरी, एक की मौत तीन घायल

हमारे संवाददाता

पिथौरागढ़। बारात की मेहंदी से वापस घर लौट रहे लोगों की जीप अनियंत्रित होकर गहरी खाई में जा गिरी। जिस कारण एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि अन्य तीन गम्भीर रूप से घायल हुए है। सूचना मिलने पर एसडीआरफ ने मौके पर पहुंच कर स्थानीय लोगों की मदद से मृतक व घायलों को बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया। जहां घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है।

सड़क दुर्घटना का यह मामला मूनाकोट ब्लॉक क्षेत्र के अंतर्गत बसौड ग्राम के बनी गाड़ के समीप का है। जानकारी के अनुसार बीती रात 12.30 बजे एक जीप बोरागांव में बारात की मेहंदी से लौट रही थी। जीप जब बनी गाड़ के मोड पर पहुंची तो वह अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी। जिसमें सवार

लकी चंद की मौके पर ही मृत्यु हो गई जबकि अन्य तीन गंभीर अवस्था में घायल हो गए।

घायलों की पहचान मोहन सिंह पुत्र रमेश सिंह ग्राम बासोड़ वाहन चालक जगदीश सिंह पुत्र चंचल सिंह वं पवन चंद्र निवासी पुत्र मोहन चंद मुन्ना निवासी मूनकोट के रूप में हुई है।

घटना के पता चलने पर तुरंत पीछे से स्कूटर में आ रहे हैं लोगों द्वारा गांव वालों को जानकारी दी और बचाव कार्य किया गया।

सूचना मिलने पर क्षेत्र के एसएचओ झुलाघाट संजीव कुमार एवं टीम द्वारा तथा पिथौरागढ़ से एसडीआरएफ टीम द्वारा सुबह शव को खाई से निकला गया एवं पंचनामा कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जबकि घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया जहां उनकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

गिफ्ट सेंटर के गोदाम में लगी भीषण आग

हमारे संवाददाता

हरिद्वार। गिरफ्ट सेंटर के गोदाम में देर रात भीषण आग लगने से अफरा-तफरी फैल गयी। सूचना मिलने पर पुलिस व दमकल विभाग के कर्मियों ने मौके पर पहुंच कर आग पर काबू पाया। आग लगने की इस घटना में कोई मानव क्षति तो नही हुई है लेकिन लाखों के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार बीती देर रात अंबर तालाब क्षेत्र में नेहरू स्टेडियम के पास स्थित एक गिफ्ट सेंटर के गोदाम में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। आग इतनी तेजी से फैली कि देखते ही देखते विकराल रूप ले लिया और ऊंची-ऊंची लपटें दूर-दूर

तक दिखाई देने लगीं, जिससे आसपास के लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार गोदाम में बड़ी मात्रा में सजावटी और ज्वलनशील सामान रखा हुआ था, जिसके कारण आग ने तेजी से पूरे परिसर को अपनी चपेट में ले लिया।

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं, लेकिन नेहरू स्टेडियम के पीछे की संकरी गलियों के चलते दमकल कर्मियों को घटनास्थल तक पहुंचने में काफी मशक्कत करनी पड़ी।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए अन्य क्षेत्रों से भी अतिरिक्त दमकल गाड़ियों को बुलाया गया। दमकल विभाग की टीम ने घंटों की कड़ी मेहनत के बाद आग पर काबू पाया। गोदाम रिहायशी इलाके में स्थित होने के कारण आसपास के घरों में भी आग फैलने का खतरा बना रहा, हालांकि समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। राहत की बात यह रही कि इस घटना में अब तक किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है, लेकिन लाखों केनुकसान की आशंका जताई जा रही है।

आर.एन.आई.- 59626/94

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती पुष्पा कांति कुमार द्वारा दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग घंटाघर, देहरादून से प्रकाशित तथा अवि प्रिंटर्स 21 ईसी रोड, देहरादून से मुद्रित।

प्रधान संपादक
कांति कुमार

संपादक
पुष्पा कांति कुमार

समाचार संपादक
आनंद कांति कुमार

कानूनी सलाहकार:
वी के अरोड़ा, *एडवोकेट*
बैजनाथ, *एडवोकेट*

कार्यालय: दिग्विजय सिनेमा बिल्डिंग देहरादून।
मो. 9358134808

नोट: सभी विवादों के लिये देहरादून न्यायालय ही मान्य होगा, प्रकाशित सामग्री के लिए प्रिंटर्स की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।